

## परम्परागत तरीके से विद्युत उत्पादन पर्यावरण के लिए घातक

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आइआइएसआर) में सौर उर्जा प्रणाली का उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) डॉ. जीत सिंह संघु द्वारा किया गया। हरित उर्जा उत्पादन एवं प्रयोग तथा पर्यावरण सुरक्षा के क्षेत्र में संस्थान द्वारा यह एक

### शुभाटम्भ

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में सौर उर्जा प्रणाली का उद्घाटन



उत्पादन पर गंभीर प्रयास कर रहा है। इसी दिशा में भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान का यह एक सार्थक कदम है।

संस्थान ने भवनों के छतों पर सौर उर्जा पैनल स्थापित कर बिजली उत्पादन

तथा संचार के लिए जयपुर के मेसर्स जीनस इन्वैशन लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है, इस समझौता के तहत 250 किलोवाट सौर उर्जा बिजली क्षमता का पावर ग्रिड संस्थान में स्थापित किया गया है। और अगले 25 वर्षों तक यह फर्म बिजली उत्पादन, संचार तथा रख रखाव का कार्य देखेगा। जहां एक ओर संस्थान विद्युत उत्पादन कम्पनी से 12 रु. प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदता है वहीं यह फर्म सौर उर्जा द्वारा उत्पादित बिजली सिर्फ 6 रु. प्रति यूनिट की दर से बिजली आपूर्ति

करेगा। मई में संस्थान ने सौर उर्जा पैनल से 30,000 यूनिट बिजली प्राप्त किया जिस पर लगभग 2,00,000 रुपये की बचत हुई। इस प्रकार इस प्रणाली से संस्थान प्रति वर्ष 24 लाख रु. की बचत कर पायेगा। इस राशी को शोध पर खर्च कर नई तकनीक विकसित करने में सहायता मिलेगी। साथ ही पर्यावरण और देश के प्रति सकारात्मक योगदान होगा।

इस अवसर पर उप महानिदेशक डॉ. संघु ने संस्थान के तकनीकी पार्क, शोध प्रक्षेत्रों तथा प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया तथा संस्थान द्वारा गन्ना

किसानों के लिए विकसित तकनीकों पर जानकारी प्राप्त किया। संस्थान के निदेशक डॉ.

ए. डी. पाठक ने प्रस्तुतिकरण द्वारा संस्थान क

क्रियाकलापों ताथा उपलब्धियों

पर उप महानिदेशक के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा किया।

उत् महानिदेशक ने संस्थान के प्रेक्षागृह में वैज्ञानिकों

ताथा कर्मचारियों को संबोधित किया। वसं.

# गन्ना संस्थान हर साल बचाएगा 24 लाख रुपये

जासं, लखनऊ: भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान भी अब सौर ऊर्जा से बिजली बनाएगा। यहां सौर ऊर्जा प्रणाली का उद्घाटन शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक फसल विज्ञान डॉ. जीत सिंह संधु ने किया।

संस्थान ने जयपुर की एक कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है, जिसके तहत 250 किलोवाट सौर ऊर्जा बिजली क्षमता का पावर ग्रिड स्थापित किया गया है। अगले 25 वर्षों तक यह फर्म बिजली उत्पादन, संचार तथा रख रखाव का कार्य देखेगी, संस्थान विद्युत

उत्पादन कंपनी से 12 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदता है वहीं, सौर ऊर्जा द्वारा उत्पादित बिजली सिर्फ 6 रुपये प्रति यूनिट की दर से आपूर्ति करेगी। मई 2017 में सौर ऊर्जा पैनल से 30,000 यूनिट बिजली प्राप्त की, जिस पर लगभग 2,00,000 रुपये की बचत हुई। इस प्रकार इस प्रणाली से प्रति वर्ष 24 लाख बचाएगा इस अवसर पर उपमहानिदेशक डॉ.संधु ने संस्थान के तकनीकी पार्क, शोध प्रक्षेत्रों तथा प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया तथा संस्थान द्वारा गन्ना किसानों के लिए विकसित तकनीकों की जानकारी ली।

### INSPECTION

Lucknow University Vice-Chancellor SP Singh on Saturday went around the cashier's office, Arts faculty Dean office, department of Journalism and Mass Communication, and department of Public Administration. LU spokesperson NK Pandey said some of the employees were found missing and at some places, some employees were absent after signing on the attendance register. "The university will be serving notices on such employees. The registrar has been directed to write to the heads of the departments to distribute work responsibilities to employees individually and conduct inspection on a regular basis. At IDS library, the Vice-Chancellor sought reports as to how many books were purchased during the last three years, details of the monthly issue of books and daily visitors' register," said Pandey.

### WORKSHOP

The KGMU Orthopaedic department conducted a workshop on club foot in association with the International Club Foot Society on Saturday. Key organiser of

the programme was Dr Santosh Kumar, a Professor at the Orthopedic department. A faculty from the same department said that the workshop focused on Ponseti technique for curing club foot. "In this technique, the foot of the infant is put in plaster every week and then after two months the infant undergoes a small surgery. The child is later given shoes which have to be worn for the next three years. This technique can cure fresh cases as well as neglected cases of club foot," he said. The doctor said that it was important to cure club foot cases. "People should not neglect this because it will cause difficulty in walking," he added. He pointed out that the disease was caused because of genetic issues and found more in males than in females.

### ROOFTOP SOLAR POWER SYSTEM INAUGURATED

A grid-connected rooftop solar energy system, installed at ICAR-Indian Institute of Sugarcane Research, was inaugurated by deputy director general (Crop Science), ICAR, New Delhi, JS Sandhu, on Saturday. With the inauguration of solar



energy system, ICAR-IISR is now one step ahead in green energy production and conservation of conventional electric energy. The institute has signed a memorandum of understanding (MoU) with M/s Genus Innovations Limited, Jaipur, for installation, testing and commissioning of the solar power system. The firm will also be responsible for its operation and maintenance for the next 25 years. As per the MoU, the firm has already installed solar panels on the rooftops of institute buildings with total power generation capacity of 250 KW and started power generation. During this period, a total of about 30000KWH power was generated by the rooftop solar power system at the institute.

# भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में सौर उर्जा प्रणाली का उद्घाटन

स्वरूप संवाददाता

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में सौर उर्जा प्रणाली का उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक, फसल विज्ञान डा. जीत सिंह संधु द्वारा किया गया। हरित उर्जा उत्पादन एवं प्रयोग तथा पर्यावरण सुरक्षा के क्षेत्र में संस्थान द्वारा यह एक महत्वपूर्ण योगदान है। वर्तमान समय में बिजली की मांग बढ़ती जा रही है जिसे पूरा करना असंभव सा होता जा रहा है। साथ ही परंपरागत प्रचलित तरीके से विद्युत उत्पादन, कोयला, पनबिजली, नाभिकीय बिजली मंहगा होने के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी घातक सिद्ध हो रहा है। इन समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए भारत सरकार अक्षय उर्जा से बिजली उत्पादन पर गंभीर प्रयास कर रहा है। इसी दिशा में भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ का यह एक सार्थक कदम है। संस्थान ने भवनों के

छतों पर सौर उर्जा पैनल स्थापित कर बिजली उत्पादन तथा संचार के लिए जयपुर के मेसर्स जीनस इन्वोल्यूशन

गया है। और अगले 25 वर्षों तक यह फर्म बिजली उत्पादन, संचार तथा रख रखाव का कार्य देखेगा। जहां एक ओर



लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है इस समझौता के तहत 250 किलोवाट सौर उर्जा बिजली क्षमता का पावर ग्रिड संस्थान में स्थापित किया

संस्थान विद्युत उत्पादन कम्पनी से 12 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदता है वहीं यह फर्म सौर उर्जा द्वारा उत्पादित बिजली सिर्फ 6 रुपए प्रति यूनिट

की दर से बिजली आपूर्ति करेगा। मई 2017 में संस्थान ने सौर उर्जा पैनल से 30,000 यूनिट बिजली प्राप्त किया जिस पर लगभग 2,00,000 रुपए की बचत हुई। इस प्रकार इस प्रणाली से संस्थान प्रति वर्ष 24 लाख रुपए की बचत कर पायेगा। इस राशी को शोध पर खर्च कर नई तकनीक विकसित करने में सहायता मिलेगी। साथ ही पर्यावरण और देश के प्रति सकारात्मक योगदान होगा। इस अवसर पर उप महानिदेशक डॉ. संधु ने संस्थान के तकनीकी पार्कए शोध प्रक्षेत्रों तथा प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया तथा संस्थान द्वारा गन्ना किसानों के लिए विकसित तकनीकों पर जानकारी प्राप्त किया। संस्थान के निदेशक डॉण एण्ड डीण पाठक ने प्रस्तुतिकरण द्वारा संस्थान के क्रियाकलापों तथा उपलब्धियों पर उप महानिदेशक के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा किया। उप महानिदेशक ने संस्थान के प्रेक्षागृह में वैज्ञानिकों तथा कर्मचारियों को संबोधित किया।